

Chapter: Sem 2

विभाग १ - गद्य

कृति. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए।
१

(8)

प्रिय बेटी इंदिरा,

अपने पिछले खत में मैंने कामों के अलग-अलग किए जाने का कुछ हल बतलाया था। बिल्कुल शुरू में जब आदमी सिर्फ शिकार पर गुजर-बसर करता था, काम बँटे हुए न थे। हरेक आदमी शिकार करता था और मुश्किल से खाने भर को पाता था। सबसे पहले मर्दों और औरतों के बीच में काम बँटना शुरू हुआ होगा; मर्द शिकार करता होगा और औरत घर में रहकर बच्चों और पालतू जानवरों की निगरानी करती होगी।

जब आदमियों ने खेती करना सीखा तो बहुत-सी-नई – नई बातें निकलीं। पहली बात यह हुई कि काम कई हिस्सों में बँट गए। कुछ लोग शिकार खेलते और कुछ खेती करते और हल चलाते। ज्यों – ज्यों दिन गुजरते गए आदमियों ने नये-नये पेशे सीखे और उनमें पक्के हो गए।

खेती करने का दूसरा अच्छा नतीजा यह हुआ कि गाँव और कस्बे बने। लोग इनमें आबाद होने लगे। खेती के पहले लोग इधर-उधर घूमते-फिरते थे और शिकार करते थे और शिकार करते थे। उनके लिए एक जगह रहना जरूरी नहीं था। शिकार हरेक जगह मिल जाता था। इसके सिवा उन्हें गायों, बकरियों और अपने दूसरे जानवरों की वजह से इधर-उधर घूमना पड़ता था। इन जानवरों के चराने के लिए चरागाहों की जरूरत थी। एक जगह कुछ दिनों तक चरने के लिए बाद जमीन में जानवरों के लिए काफी घास पैदा नहीं होती थी और सारी जाति को दूसरी जगह जाना पड़ता था।

जब लोगों को खेती करना आ गया तो उनका जमीन के पास रहना जरूरी हो गया। जमीन को जोत – बोकर वे छोड़ नहीं सकते थे। उन्हें साल भर तक लगातार खेती का काम लगा ही रहता था और इस तरह गाँव और शहर बन गए।

1 A1) ..

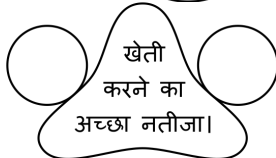
2

आकृति पूर्ण कीजिए।

i.



ii.



A2) ..

2

वाक्य पूर्ण कीजिए।

- ज्यों-ज्यों दिन गुजरते गए आदमियों ने -
- अपने पिछले खत में मैंने कामों के -

A3) ..

2

- लिंग पहचानकर लिखिए।
१. गाँव –
२. खेती -

ii. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए।

१. बकरी -

२. गाय -

A4) ..

2

स्वमत।

"खेती का महत्व" पर अपने विचार लिखो।

(ब) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

(8)

रमन की 'वर्षगाँठ' की बात तो मैं कभी भूल ही नहीं सकता। सबसे पहले उसने मुझे ही बताया था कि अगले महीने उसकी वर्षगाँठ है। मैं अंदर-बाहर एकदम खुशी से किलकता घर पहुँचा था। मैं शायद रमन से भी ज्यादा बेसब्री से उसकी वर्षगाँठ का इंतजार कर रहा था; क्योंकि रमन ने अपनी वर्षगाँठ की तैयारियों का जो चित्र खींचा था, उसने मुझे पुरे एक महीने से बैचेन कर रखा था।

लेकिन उस दिन पिता जी ने मुझे एकदम डपट दिया - "नहीं जाना है।" मैंने जोर-जोर से लड़ना, जिद मचाना और रोना-चिल्लाना शुरू कर दिया। गुस्से में पिता जी ने एक भरपूर थप्पड़ गालों पर जड़ दिया। गाल पर लाल निशान उभर आया। उस दिन पहली बार माँ ने मेरे गालों पर उँगलियाँ फेर रो पड़ी थी और पिता जी से लड़ पड़ी थी। पिता जी को भी शायद पछतावा हुआ था। माँ ने मेरा मुँह धुलाया, गाल पर दवा लगाई और बाजार से बिस्कुट का एक डिब्बा मँगाकर पिता जी के साथ रमन के घर भिजवा दिया।

रमन के पापा दरवाजे पर ही मिल गए थे। खूब खुश होकर उन्होंने रमन को बुलाया। फिर उनकी दृष्टि गालों पर पड़ी। पिता जी जल्दी से बोले, "आते-आते सीढ़ियों से गिर गया ... पर मैंने कहा, "तुम्हारे दोस्त का जन्मदिन है, जरूर जाओ।"

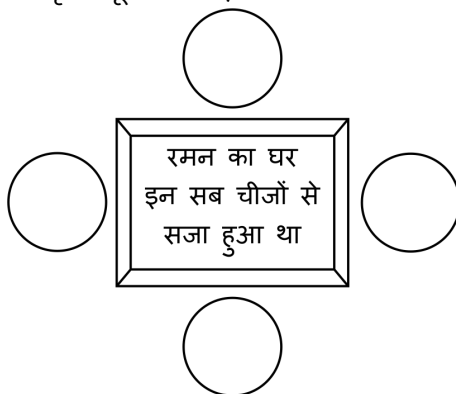
मेरा दिमाग गुस्से से पागल हो गया। मन किया, जोर से चीख पड़ूँ। रमन के पापा के सामने ही-कि ये झूठे, मक्कार और निर्दयी हैं, मुझे पीटकर लाए हैं और यहाँ झूठ बोल रहे हैं। बोला कुछ नहीं, बस गुस्से से उन्हें घूरता रमन की उँगली पकड़े अंदर चला गया।

अंदर जाकर तो मुझे लगा कि मैं लाल परी के जादुई देश में आ गया हूँ। ढेर-के-ढेर झूलते रंग-बिरंगे गुब्बारे, रिबंस, प्रेजेंट्स, ट्रॉफियाँ-गुलदस्ते-सा सज्जा, उल्लास से हमेशा हँसते-से उसके मम्मी-डैडी। घर लौटकर मैंने पहला प्रश्न माँ से यही किया- 'तुम और पिता जी मेरा जन्मदिन क्यों नहीं मनाते ?'

1 A1) ..

2

आकृति पूर्ण कीजिए।



A2) ..

2

i. उत्तर लिखिए।

१. पिताजी को इस वजह से पछतावा हुआ - _____

२. माँ ने बाजार से यह मँगाकर दिया - _____

ii. निम्नलिखित शब्दों के लिए प्रश्न तैयार कीजिए।

१. वर्षगाँठ

A3) ..

2

- i. परिच्छेद में प्रयुक्त दो विराम चिह्न के नाम लिखिए।
 १. (;) -
 २. (-) -
 ii. परिच्छेद में प्रयुक्त अंग्रेजी के शब्द लिखिए।
 १.
 २.

A4) ..

2

स्वमत।
 लड़के के अनुसार पिताजी का व्यवहार कैसा था? वर्णन करो।

विभाग २ - पदय

कृति. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए।
 २

(6)

बोले वे -
 “लेकिन शेष मेरा दायित्व लेंगे
 बाकी सभी
 मेरा दायित्व वह स्थित रहेगा
 हर मानव मन के उस वृत्त में
 जिसके सहारे वह
 सभी परिस्थितियों का अतिक्रमण करते हुए
 नूतन निर्माण करेगा पिछले ध्वंसों पर !
 मर्यादायुक्त आचरण में
 नित नूतन सृजन में
 निर्भयता के
 साहस के
 ममता के
 रस के
 क्षण में
 जीवित और सक्रिय हो उठूँगा मैं बार-बार !”

अश्वत्थामा: उसके इस नये अर्थ में
 क्या हर छोटे-से-छोटा व्यक्ति
 विकृत, अर्द्धबर्बर, आत्मघाती, अनास्थामय
 अपने जीवन की सार्थकता पा पाएगा ?

वृद्ध : निश्चय ही !
 वे हैं भविष्य
 किंतु हाथ में तुम्हारे हैं।
 जिस क्षण चाहो उनको नष्ट करो
 जिस क्षण चाहो उनको जीवन दो, जीवन लो।

1 A1) ..

2

- कविता की पंक्तियों को उचित क्रमानुसार लिखकर प्रवाह तख्ता पूर्ण कीजिए :
 i. अपने जीवन की सार्थकता पा जाएगा।
 ii. जिस क्षण चाहो उनको जीवन दो, जीवन लो।
 iii. नूतन निर्माण करेगा पिछले ध्वंसों पर।
 iv. जीवित और सक्रिय हो उठूँगा मैं बार-बार।

A2) ..

2

पद्यांश में इस अर्थ में आए शब्द -
i. विनाश ii. नया iii. निर्माण iv. हिंसक

A3) ..

2

भावार्थ लिखिए।
अश्वत्थामा जीवनलो।

(ब) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

(6)

धरती का आँगन महके कर्मज्ञान-विज्ञान से।
ऐसी सरिता करो प्रवाहित खिले खेत सब धान से।।

अभिलाषाएँ नित मुसकाएँ आशाओं की छाँह में,
पैरों की गति बँधी हुई हो विश्वासों की राह में।

शिल्पकला-कुमुदों की माला वक्षस्थल का हार हो,
फूल-फलों से हरी-भरी इस धरती का श्रृंगार हो।

चंद्रलोक या मंगल ग्रह पर चढ़ें किसी भी यान से,
किंतु न हो संबंध विनाशक अस्त्रों का इनसान से।

साँस-साँस जीवनपट बुनकर प्राणों का तन ढाँकती,
सदाचार की शुभ्र शलाका मन सुंदरता आँकती।

प्रतिभा का पैमाना मेधा की ऊँचाई नापता,
मानवता का मीटर बन, मन की गहराई मापता।

आत्मा को आवृत्त कर दें स्नेह प्रभा परिधान से,
करें अर्चना हम सब मिलकर वसुधा के जयगान से।

1 A1) ..

2

निम्न शब्दों के लिए प्रश्न तैयार कीजिए।
i. जयगान
ii. मानवता

A2) ..

2

निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए :
i. सरिता -। ii. छाँह -।
iii. राह -। iv. कुमुद -।

A3) ..

2

भावार्थ लिखिए।
धरती का आँगन महके कर्मज्ञान - विज्ञान से।
ऐसी सरिता करो प्रवाहित खिले खेत सब धान से।। अभिलाषाएँ नित मुसकाएँ आशाओं की छाँह में,
पैरों की गति बँधी हुई हो विश्वासों की राह में।

विभाग ३ - (व्याकरण)

कृति.3 सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए -

(1) मुहावरे का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए
निर्माण करना

(1)

(2) वाक्य में यथास्थान विरामचिह्नो का प्रयोग कीजिये

(1)

पेड़ को देखकर चलो आज इसी पेड़ को काटें

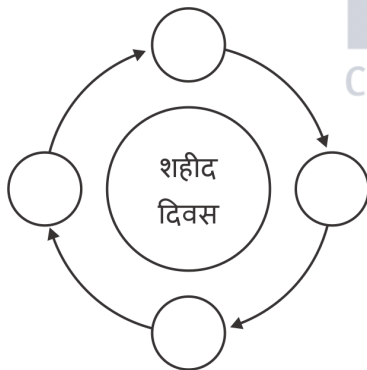
- (3) वाक्य शुद्ध करके फिर से लिखिए (1)
वह उसका पशुत्व का प्रणाम है।
- (4) अर्थ के आधार पर निम्न वाक्यों के भेद लिखिए। (1)
अरे! कुल्हाड़ी मिल गई।
- (5) निम्नलिखित वाक्य का रचना के अनुसार भेद लिखिए (1)
मेरा तन मातृभूमि पर निछावर है क्योंकि मैं देश सेवा करना चाहता हूँ।
- (6) निम्न वाक्यों के काल पहचान कर लिखिए (1)
एक राष्ट्र की दासता दूसरे भाग में आती है।
- 7) अधोरेखांकित शब्द का भेद लिखिए (1)
कांग्रेस ने स्वशासन का प्रस्ताव पास किया है।

विभाग ४ - उपयोजित लेखन

कृति.4 अ) निम्नलिखित किसी एक विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए। (5)

- 1) यदि कम्प्यूटर न होते.....
- 2) मोबाइल व इंटरनेट.
- 3) कृषि में विज्ञान

ब) निम्नलिखित वृत्तांत लिखिए।



Prism
Colours of your Dreams

अथवा

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर कहानी लिखिए

नाई - मुर्गा - प्रतिदिन एक सोने का अंडा - अमीर होना - मन में लालच - सभी सोने के अंडे एक दिन ही पाना
मुर्गी को काटना - कुछ भी न मिलना।

क) गद्य आकलन

परिच्छेद के आधार पर पाँच प्रश्न तैयार कीजिए। नफरत मनुष्य के हृदय को जलाने का काम करती है। यह मनुष्य के मन-मस्तिष्क पर हावी हो जाती है। इसके कारण मनुष्य नित दूसरे व्यक्ति से जलता है और दूसरे के प्रति ईर्ष्या द्वेष की भावना रखता है। नफरत से मनुष्य स्वयं के लिये गड़ढा खोदता है। यदि हम किसी से नफरत करेंगे तो दूसरा भी हम से नफरत करेगा। हमें सभी के साथ स्नेह का आचरण करना चाहिए इससे भाईचारा और शांति स्थापित होती है। समाज में प्रेमका प्रचार करने से व्यक्ति पूजनीय बन जाता है। उसे प्रेम के बदले प्रेम मिलता है।